

༄༅། བོད་ཀྱི་ནང་བསྟན་དཔེ་ཚོགས་ལྟེ་གནས་།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN1732	ImageGroup:	I3CN1734
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	སྟུང་གནས་ཀྱི་སྒྲ་མ་བརྒྱུད་པའི་རྣམ་ཐར་ཚོག་བསྟོད་འགྲེལ་པན་ཡོན་དང་བཅས་པ། smyung gnas kyi bla ma brgyud pa'i rnam thar cho ga bstod 'grel phan yon dang bcas pa/
Author:	བློ་བཟང་བསྟན་པའི་ཉི་མ་ blo bzang bstan pa'i nyi ma
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 06/2015

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ

[illegible]

(The following text is highly degraded and largely illegible due to extreme blurring and noise.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

231. 125. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 1000.

[illegible]

291

מלכות

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

येपत्नीसुवर्गः शिवायैवपुत्रपुत्रपुत्रः

विष्णुसहस्रनाम

ཡོག་སྐད་ཀྱི་རྒྱུ་ལྟར་བྲམ་པ།

787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000

॥ इत्युक्तं पश्यन्नुपदिशति ॥ पापस्य च पातयित्वा मुक्तम् ॥

पद्मार्क गार्ग्यायकृतं कुसुमसूत्रं चतुर्विंशोऽध्यायः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ अथ श्रीगणेशपूजा ॥

...

卷之四

...
...
...

...
...
...

卷之四
 四

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

377/213

卷之五

... 2000 ...

卷之四
 四庫全書

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ २ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ३ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ४ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ५ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ६ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ७ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ८ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ९ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ १० ॥

291

[Faint, illegible handwritten text]

五十七

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

पुस्तक संख्या: १२३४५६७८९०

संज्ञासूत्रम् ५५॥

五言古詩

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

... ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ...

विष्णुसहस्रनाम

[illegible]

卷之五

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

卷之四

सिद्धिदायकं च ॥ २ ॥

...

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 85

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

2017年12月12日

五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

卷之四

卷之四

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

蘇頌

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint, illegible handwritten text]

卷之四
 四

... 卷之四 ...

...

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

卷之六

卷之四

卷之四

王世貞

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

萬曆二十五年

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

卷之五

[illegible]

इति श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु योगोऽष्टमोऽध्यायः

३०५६

[illegible]

पुनर्जन्मार्थं सुदृष्टव्यं यत्किञ्चिदपि कर्म कृतं तत्तत्फलं तत्तत्फलं तत्तत्फलं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

卷之四

五、六、七、八、九、十、十一、十二、十三、十四、十五、十六、十七、十八、十九、二十、二十一、二十二、二十三、二十四、二十五、二十六、二十七、二十八、二十九、三十、三十一、三十二、三十三、三十四、三十五、三十六、三十七、三十八、三十九、四十、四十一、四十二、四十三、四十四、四十五、四十六、四十七、四十八、四十九、五十、五十一、五十二、五十三、五十四、五十五、五十六、五十七、五十八、五十九、六十、六十一、六十二、六十三、六十四、六十五、六十六、六十七、六十八、六十九、七十、七十一、七十二、七十三、七十四、七十五、七十六、七十七、七十八、七十九、八十、八十一、八十二、八十三、八十四、八十五、八十六、八十七、八十八、八十九、九十、九十一、九十二、九十三、九十四、九十五、九十六、九十七、九十八、九十九、一百。

IN NOSTRO DOMINIO EST

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

卷之四

1954年12月15日

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

231

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

一、關於我國經濟建設之現狀

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

गुप्तस्य मन्त्रः विद्यास्योदयस्य मन्त्रः

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ਸ੍ਰੀਮਤਿ ਰਾਮਾਭਾਇ ਦੇਵੀ ਜੀ

[illegible]

...

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

...

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

...

[illegible]

RECEIVED

五言古詩

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

自來水

五言古詩

卷之四

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

सुखं भवति यत्र नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

ॐ

नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of a Sanskrit manuscript.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is highly degraded and mostly illegible due to severe damage and fading.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to consist of several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a single line of handwritten script.]

[The image shows a single page from an ancient manuscript, likely written in Sanskrit or a related Indic script. The text is arranged in horizontal lines across the page. The ink is dark, and the paper appears aged and slightly discolored. There are some faint markings and what might be remnants of red ink used for headings or emphasis. The handwriting is cursive and characteristic of classical Indian scripts.]

[illegible]

[illegible]

॥ त्रयं वासुदेवं ध्यात्वा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥३॥

सुप्रसन्नम् ।

पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः

सुप्रसन्नमस्तु नमः सर्वभूतेषु सुखं भवेत्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

世宗

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

महर्षिः श्रुत्वा रावणमुपपन्नः ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

...

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

一

卷之四

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ਸੁਪੰਨੇ।

॥ अथ श्रीगणेशोत्थानम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[Faint handwritten text across the bottom margin]

—

三

ལྷ་མོ་ལྷ་མོ་

202

॥ अथ श्रीगणेशोक्तं ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

प्राक्कवचं ननुपसृज्य तत्तत्पदं संपादय तत्तद्द्वयं तत्तद्द्वयं तत्तद्द्वयं तत्तद्द्वयं

तत्तद्द्वयं

तत्तद्द्वयं

तत्तद्द्वयं

गुरुगण

सोपदिशेति

सुप्रसन्नं

सुप्रसन्नं

सुप्रसन्नं

सुप्रसन्नं

गुरुगण

सुप्रसन्नं

उ

सुप्रसन्नं

सुप्रसन्नं

सुप्रसन्नं

सुप्रसन्नं

गुरुगण

सुप्रसन्नं

सोपदिशेति

सुप्रसन्नं

सुप्रसन्नं

सुप्रसन्नं

सुप्रसन्नं

सुप्रसन्नं

सुप्रसन्नं

सुप्रसन्नं

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

291

॥ वक्तव्य परं हेतुः प्रमाणम् ॥

पुनः पाठ्यते वेदास रश्म्या स पुनः पुनो पुनः पथिदम् ।

इति याज्ञिकसुत्राप्रारम्भः ।

ਬੇਅਧਿਕਾਰਾਂ ਨਿਸ਼ਚਿਤ

देवनागरी पुस्तक

21

॥ अथ देवदत्त उवाच ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ अथ सारसंघस्य पञ्चदशस्य पञ्चमस्य सारसंघस्य ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

प्रां

विषयसंग्रहः

॥ अथ शिवसूक्तम् ॥

འཕགས་མཛོད་པོ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་

ह्रीं पद्मं कृष्णं त्रिभुवनं दयै नमः ।

॥ यथा न च दत्तं त्रिपुरं न च दत्तं न च दत्तं ॥

१५८३

॥ श्री गुरुदेव्यै नमः ॥ श्री गुरुदेव्यै नमः ॥ श्री गुरुदेव्यै नमः ॥ श्री गुरुदेव्यै नमः ॥ श्री गुरुदेव्यै नमः ॥

॥ अथ काश च घृणाश्च हे केश चैव दूषयिष्ये च यद्वै च यदवा च यद्वै च यदवा च यद्वै च यदवा च ॥

卷之五

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

शुद्धयेति कथं ।

॥ सुव सुख भवे सुद प सुख ॥

सुखं यदस्य ।

१२५ श्रीदेवदेवस्य

卷之七

अथ चतुर्थः प्रश्नः

॥

॥५॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to the quality of the scan. It appears to be a continuation of the historical or religious narrative from the previous page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

231

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सुधाकरचरणसिद्धिभाष्य/पृष्ठ २०६

विश्वविद्यालय

[illegible]

मन्त्रस्य सारसं यथा रश्मिः ।

वापि सप्तमं कृतं यत्नः परमः पदम् अथ चतुर्थः पद्यम्

4150-4151

པའི་པ་ལ་འདྲེན་པ་ལྟར་འདྲེན་པ།

[illegible]

इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥

अथ कुलपतिः

सुखं विदुः शान्तिं विदुः परमं सुखं विदुः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཡུལ་པ་དམར་མེ་ར་གྱི་སྡེ་དབུས་

यक्षिणसुक्ता ३३३ ३३३ ३३३

मयुक्तं

དཔུང་གྲུ་

सुगन्धवत्

द्वयसप्तपञ्च

[illegible]

मन्त्रः ॥ १ ॥

जिस पक्षी का चरित्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly faded and largely illegible due to extreme fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the liturgical or philosophical text found in the other pages.]

231

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom margin]

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

卷之五
 五言古詩
 五言律詩
 五言絕句
 五言排律
 五言長句
 五言歌行

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

221

पञ्चमस्कन्धः

मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[Faint, illegible handwritten text]

[Faint handwritten text]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...

३७। *[Faint, mostly illegible text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]*

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कैरुपेसुकैतमदयंससुखपरिवासेच्छेत्तया पश्येन्निमित्तं तदा नान्यथा विज्ञेयं यदेवमुक्तम्

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

[The text in this block is extremely faint and illegible due to significant fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

| | | | | |
|--|---|---|---|---|
| <p> 
 ...
 ...
 ...
 ... </p> | <p> ...
 ...
 ...
 ... </p> | <p> ...
 ...
 ...
 ... </p> | <p> ...
 ...
 ...
 ... </p> | <p> ...
 ...
 ...
 ... </p> |
|--|---|---|---|---|

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

卷之四

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

पुस्तक

[illegible]

卷之五

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

२६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

सुखदुःखसंसारमहासागरात्

125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612
 613
 614
 615
 616
 617
 618
 619
 620
 621
 622
 623
 624
 625
 626
 627
 628
 629
 630
 631
 632
 633
 634
 635
 636

卷之七
 七

मन्त्रोक्तं च मन्त्रोक्तं च मन्त्रोक्तं च मन्त्रोक्तं च मन्त्रोक्तं च

अथ विष्णुसूक्तं ॥

विद्यया च मयि प्रकृतं ब्रह्म रूपं च

卷之五

स यामुद्रायाः कर्मद्वयं ॥ यामुद्रायाः कर्मद्वयं ॥

കൃഷ്ണപഞ്ചസാരകുടാകരണവക

五十二

[illegible]

इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्णोवाच ॥

सुखं दुःखं च यत्तु तद्विषयं न विदुः ।

पुष्यं २५ नक्षत्रं पुष्यं २५ नक्षत्रं पुष्यं २५ नक्षत्रं

卷之四

卷之四



